পাঠ 7
পাঠ

কোলকাতা ভ্রমণ

মিশ্র : জানেন ব্যানার্জীবাবু, কাল খুব বেড়ালাম। পর্যন বিভাগের গাড়ীতে সারা কোলকাতা ঘুরলাম।

ব্যানার্জী : কোথায় কোথায় গেলেন?

মিশ্র : প্রথমেম্প দক্ষিণেশ্বর গেলাম। প্রায় নাার সময় সেখানে পৌছলাম। সেখানে গঙ্গায় স্নান করলাম। তারপর পূজো দিলাম। সকালবেলা বেশি ভীড় ছিল না। তাম্প পূজো দিতে দেরী হল না। মন্দিরের চারদিকা ঘুরে দেখলাম। মন্দিরের পরিবেশ খুব সুন্দর। গঙ্গার ধারে মন্দির। তারপর দক্ষিণেশ্বর থেকে আমরা বেলুড় গেলাম।

ব্যানার্জী : দক্ষিণেশ্বর থেকে বেলুড় কি করে গেলেন?

মিশ্র : বেশীরভাগ লোকম্প বাসে গেলেন। কিন্তু আমরা

कोलकाता भ्रमण

मिश्र : जानते हैं बनर्जीबाबू, कल मैं खूब घूमा। पर्यटन विभाग की गाड़ी से सारा कोलकाता घूम लिया है।

बनर्जी : कहाँ कहाँ गए?

मिश्र : पहले दक्षिणेश्वर गए। हम प्रायः नौ बजे वहाँ पहुँच गए। वहाँ गंगा में स्नान किए। उसके बाद पूजा की। सुबह के समय अधिक भीड़ नहीं थी। इसलिए पूजा (करने) में देर नहीं लगी। मैंने मंदिर के चारों ओर घूम कर देखा। मंदिर का परिवेश खुब सुंदर है। मंदिर गंगा के किनारे पर है। उसके बाद दक्षिणेश्वर से हम बेलूड़ गए।

बनर्जी : दक्षिणेश्वर से बेलूड़ कैसे गए?

मिश्र : अधिकतर लोग तो बस से गए। किंतु हम कुछ लोग बस से नहीं गए। हमलोग बस से न

কয়েকজন বাসে গেলাম না। আমরা বাসে না গিয়ে নৌকোয় গেলাম। নৌকোয় করে যেতে খুব ভাল লাগল। বেলুড়ে প্রায় এক ঘণ্টা ছিলাম। তারপর সোজা মিউজিয়াম গেলাম। মিউজিয়াম দেখতে অনেক সময় লাগল। মিউজিয়াম থেকে বেরিয়ে আমরা দুপুরের খাবার খেলাম। তারপর ভিক্টোরিয়া দেখে আমরা চিড়িয়াখানা গেলাম। বিকেলবেলা চিড়িয়াখানা দেখে ফিরলাম।

ব্যানার্জী : আর কিছু দেখলেন না?

মিশ্র : কোলকাতা খুব বড় শহর। একদিনে সব কিছু দেখা সম্ভব নয়।

ব্যানার্জী : আপনি তো এখন কোলকাতাতেম্প আছেন। আস্তে আস্তে সবকিছু দেখতে পারেন। কালীঘা, বৌানিক্যাল গার্ডেন, মার্বেল প্যালেস, পরেশনাথের মন্দির এসব

जाकर नाव से गए। नाव से जाने पर बहुत अच्छा लगा। हमलोग बेलुड़ में लगभग एक घण्टा रहे। उसके बाद सीधे 'म्यूज़ियम' गए। म्यूज़ियम देखने में हमें बहुत समय लगा। म्यूज़ियम से निकलकर हमलोगोंने दोपहर का खाना खाया। उसके बाद 'विक्टोरिया' देखकर हम सब चिड़ियाघर गए। शामको चिड़ियाघर देखकर वापस लौट आए।

बनर्जी : और कुछ नहीं देखा?

मिश्र : कोलकाता बहुत बड़ा शहर है। एकदिन में सब कुछ देखना संभव नहीं है।

बनर्जी : आप तो अभी कोलकाता में ही हैं। धीरे धीरे सब कुछ देख सकते हैं। कालीघाट, बोटानिकल गार्डेन, मार्बल पैलेस, परेशनाथ का मंदिर ये सब देखने लायक जगह हैं।

দেখার মতো জায়গা।

শব্দার্থ

বংগলা শব্দ	অর্থ
ভ্রমণ	भ्रमण
কাল	कल
পর্যটন	पर्यटन
বিভাগের	विभाग का, विभागीय
গেলেন	गए
প্রথমেম্প	पहले ही
নৗর	नौ बजे
স্নান	स्नान
পূজো	पूजा
চারিদিকৗ	चारों ओर
ঘুরে	घूमकर
দেখলাম	देखा
পরিবেশ	परिवेश
কয়েকজন	कुछ लोग
না গিয়ে	न जाकर
নৌকো	नौका, नाव
যেতে	जाने में
সোজা	सीधे
দেখতে	देखने में
দুপুরের	दोपहर का
খেলাম	खाया
	चिड़ियाघर

চিড়িয়াখানা	একদিন में
	देखना
একদিনে	संभव
দেখা	धीरे
সম্ভব	जगह
আস্তে	लौट आए
জায়গা	
ফিরলাম	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি কাল কি দেখলেন ? (খেলেন, পড়লেন)
2. আমি দোকানে গেলাম। (বাজারে, বন্ধুর বাড়ীতে)
3. আপনি কি সিনেমা দেখলেন? (টি.ভি., কাগজ)
4. আমরা কাল ফুটবল খেললাম। (ক্রিকেট, হকি)
5. তিনি অফিসে গেলেন। (তাঁরা, ওঁরা)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. আপনি কাল কোথায় _____ ? (যান, গেলেন)
2. তুমি কি কাজ _____ ? (করলে, কর)
3. তিনি গত রবিবারে হায়দ্রাবাদে _____ । (যান, গেলেন)

4. রবি কাল দোকানে _____ । (গেল, যায়)

5. রমেশবাবু হঠাৎ দিল্লী _____ । (গেলেন, যান)

III. উদাহরণ के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

আমি ভাত খাম্প।

আমি ভাত খেলাম।

1. বীনা খবরের কাগজ পড়ে।
2. রমা চিঠি লেখে।
3. ডাক্তারবাবু রোগী দেখেন।
4. আমি বাংলা পড়ি।
5. সে বাজারে যায়।

IV. নীচে দিए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সবাম্প বাজারে গেলেন।
2. আমি কাগজ পড়লাম।
3. সে সাঁতার কৌল।
4. রমেন ফুবল খেলল।
5. রমলা রান্না করল।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বিমলা এম্প বম্পৌ _____ ।
2. সে দোকান থেকে এম্প জিনিসৌ _____ ।
3. আমি একৌ বাংলা সিনেমা _____ ।

4. আমরা কাল কোথাও ______________ না।

5. তিনি গত রবিবারে দিল্লীতে ______________।

पढ़िए और समझिए :

স্বদেশ প্রেম   स्वदेश प्रेम

আমার বন্ধু গৌতম ভৌমিক কদিন আগেম্প আমেরিকা থেকে ফিরলেন। তিনি অনেকদিন আমেরিকায় ছিলেন। ওখানের একর্টি বিশ্ববিদ্যালয়ে রসায়ন শাস্ত্রের অধ্যাপক ছিলেন। কিন্তু বিদেশে বেশীদিন ভাল লাগল না। তাম্প দেশে ফিরলেন। এখন উনি কোলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক। অধ্যাপক ভৌমিকের মতো অনেকেম্প এখন বিদেশ থেকে ফিরে আসছেন। দেশের কাজে আত্মনিয়োগ করছেন। কিন্তু সবাম্প এখানে কাজ পাচ্ছে না। অনেকেম্প দেশে ফিরতে চান। কিন্তু উপযুক্ত কাজের অভাবে ফিরতে পারেন না। তাম্প দেশে এখন উপযুক্ত পরিবেশ দরকার।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
ওখানের	वहाँ का
রসায়ন	रसायन
শাস্ত্রের	शास्त्र का
বিদেশে	विदेश में
করছেন	कर रहे हैं
পাচ্ছেন	पा रहे हैं

উপযুক্ত	उपयुक्त
অভাবে	अभाव में
দরকার	आवश्यक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. অধ্যাপক গৌতম ভৌমিক কোন দেশ থেকে ফিরলেন?
2. অধ্যাপক ভৌমিক কোন বিষয়ের অধ্যাপক?
3. অধ্যাপক ভৌমিক এখন কি করছেন?
4. বিদেশ থেকে অধ্যাপক ভৌমিক কেন ফিরলেন?
5. বিদেশ থেকে ভারতীয়রা ফিরছেন না কেন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

ছিলেন	করছেন
এখানে	কিছু কিছু
পাচ্ছেন	দুটি
একটি	ফিরলেন
অনেক	সেখানে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মাম্পকেল মধুসূদন দত্ত বাংলা দেশের অন্যতম আধুনিক মানসিকতা সম্পন্ন কবি ছিলেন। তাঁর ম্পংরাজী সাহিত্যে প্রচণ্ড জ্ঞান ছিল। তিনি তাঁর যৌবনকালে বিদেশে চলে যান। সেখানে অনেকদিন থাকার পরে তিনি নিজের দেশে ফিরে আসেন। তারপর এখানেম্প নিজের মাতৃভাষা সাধনায় আত্মনিয়োগ করেন। তিনিম্প প্রথমে তাঁর কাব্যে রাবণকে নায়ক করেন। তিনি বাংলা সাহিত্যে আধুনিকতার সৃষ্টি করেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत मेरा देश है। भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। यहाँ भिन्न-भिन्न वेषभूषाएँ हैं। भिन्न-भिन्न धर्म और रीति रिवाज़ भी हैं। सब लोग यहाँ अपने-अपने धर्म और रीति-रिवाज़ों का पालन करते हैं। अनेक भिन्नताओं के बाद भी हम सब एक हैं। हमें यही संदेश हमारे संतों ने दिया/कवियों ने भी गाया।

हम सब सच्चे भारतीय हैं। जो भारतीय विदेशों में रहते हैं, उनके हृदय में भी भारत के प्रति देश प्रेम है। हमारा भारत महान है। हमें इस पर गर्व है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं, जो पाठ में नहीं आए हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

আমেরিকা	শত্রু	উপযুক্ত	রসায়ন শাস্ত্র	বন্ধু
আত্মনিয়োগ	অর্থশাস্ত্র	চীন	পরিবেশ	অনুপযুক্ত

VI. "जननी और जन्मभूमि दोनों ही समान रूप से पूज्य हैं।" इस विषय पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में सामान्य भूतकाल की क्रिया का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में काल वाचक प्रत्यय '-ল' (-ল) जोड़ा जाता है। इसके बाद इसमें पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। नीचे विभिन्न पुरुषों के अनुसार भूतकाल के क्रिया रूप दिए गए हैं --

আমি দেখলাম	(দেখ + ল + আম)।	मैंने देखा।
আপনি দেখলেন	(দেখ + ল + এন)।	आप ने देखा।
তুমি দেখলে	(দেখ + ল + এ)।	तुम ने देखा।
তুম্প দেখলি	(দেখ + ল + ম্প)।	तू ने देखा।
তিনি, ম্পনি, উনি দেখলেন	(দেখ + ল + এন)।	उन्होंने/इन्होंने देखा।
ও, এ, সে দেখলো	(দেখ + ল + ও)।	उस ने/इस ने देखा।

द्रष्टव्य : भूतकाल के पुरुष वाचक प्रत्यय वर्तमान काल के प्रत्ययों से भिन्न हैं। इसका ध्यान रखना है। 'যা' (जा) धातु का जा भी बदल कर 'গে' (गे) हो जाती है। उसी में भूतकाल वाची और पुरूष वाची प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसेः

আমি গেলাম	(যা + ল + আম)	मैं गया/गई

'আছ' (आछ) धातु बदलकर 'ছি' (छि) हो जाती है। तब उसी क्रम से प्रत्यय जोड़े जाते है। जैसेः

আমি ছিলাম	(আছ + ল + আম)	मैं था/थी

साधारण भूतकाल क्रिया को निषेधार्थक बनाने के लिए क्रिया के बाद না (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আপনি গেলেন না।	आप नहीं गए/गईं।
তুমি গেলে না।	तुम नहीं गए/गई।
তুম্প গেলি না।	तू नहीं गया/गई।
সে গেল না।	वह नहीं गया।
তিনি গেলেন না।	वे नहीं गए।

II. इस पाठ में और एक प्रकार की असमापिका क्रिया का प्रयोग भी दिखाया गया है जिस का अर्थ होता है पहले हुई क्रिया। स्वरांत धातु के तिर्यक रूप के साथ 'য়ে' (ये) और व्यंजनांत धातु के तिर्यक रूप के साथ 'এ' (ए) जोड़कर इस प्रकार की क्रिया बनायी जाती है। जैसे :

গিয়ে	(যা + স্প)	जाकर
করে	(কর + এ)	कर के

द्वि अक्षरीय स्वरांत धातुओं के साथ इस प्रकार के प्रयोग करते समय धातु के अंत में आनेवाले स्वर का लोप हो जाता है। इसके पश्चात् इसमें 'স্পয়ে' (इये) प्रत्यय जोड़ देते है। जैसे :

বেড়িয়ে	(বেড়া ⟶ বেড় + স্পয়ে)	घूम कर
ঘুমিয়ে	(ঘুমা ⟶ ঘুম + স্পয়ে)	सो कर